



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 438।

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 22, 2005/अस्विना 30, 1927

No. 438।

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 22, 2005/ASVINA 30, 1927

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2005

मा.का.नि. 644(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया राहिता, 1908(1908 का 5) की धारा 29 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि किंगडम ऑफ बहरीन के सभी सिविल न्यूयालयों में उक्त धारा के उपर्युक्त लागू होंगे।

[फा. सं. 11(4)/2002-न्यायिक]

ए. पी. अग्रवाल, संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 2005

G.S.R. 644(E).—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Section 29 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby declares that the provisions of the said section shall apply to all civil courts in the Kingdom of Bahrain.

[F. No. 11(4)/2002-Judl.]

A. P. AGRAWAL, Jt. Secy. & Legal Adviser

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2005

सा.का.नि. 645(अ).—केन्द्रीय सरकार, भरण पोषण आदेश प्रवर्तन अधिनियम, 1921 (1921 का 18) की धारा 3 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम किंगडम ऑफ बहरीन के संबंध में लागू होगा।

[फा. सं. 11(4)/2002-न्यायिक]

ए. पी. अग्रवाल, संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 2005

G.S.R. 645(E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of the Maintenance Orders Enforcement Act, 1921 (18 of 1921), the Central Government hereby declares that the said Act applies in respect of the Kingdom of Bahrain.

[F. No. 11(4)/2002-Judl.]

A. P. AGRAWAL, Jt. Secy. & Legal Adviser